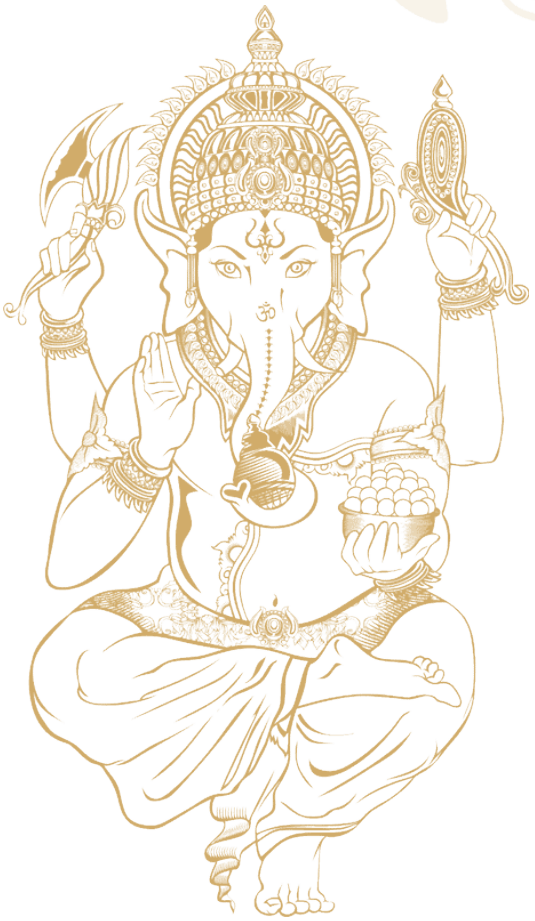

Sagar Shradha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121882205

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
17/07/1998	जन्म तिथि	31/12/1998
शुक्रवार	दिन	गुरुवार
घंटे 08:10:00	जन्म समय	21:10:00 घंटे
घटी 07:34:09	जन्म समय(घटी)	36:26:39 घटी
India	देश	India
Patna	स्थान	Sihora
25:37:00 उत्तर	अक्षांश	23:30:00 उत्तर
85:12:00 पूर्व	रेखांश	80:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:10:48	स्थानिक संस्कार	-00:09:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:08:20	सूर्योदय	06:51:10
18:41:56	सूर्यास्त	17:33:32
23:50:05	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:25

विंशोत्तरी केतु 3वर्ष 5मा 0दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी मंगल 5वर्ष 7मा 1दि
सूर्य	09:11:34	सिंह	लग्न	सिंह	04:21:16	गुरु
16/12/2021	00:30:25	कर्क	सूर्य	धनु	15:54:42	03/08/2022
17/12/2027	06:49:25	मेष	चंद्र	वृष	26:01:23	03/08/2038
सूर्य 05/04/2022	13:23:15	मिथु	मंगल	कन्या	24:22:12	गुरु 20/09/2024
चन्द्र 04/10/2022	27:11:14	कर्क	बुध	वृश्चि	26:56:46	शनि 03/04/2027
मंगल 09/02/2023	04:13:25	मीन	गुरु	कुंभ	28:02:58	बुध 09/07/2029
राहु 04/01/2024	03:07:40	मिथु	शुक्र	मक	01:06:26	केतु 15/06/2030
गुरु 22/10/2024	09:02:22	मेष	शनि	मेष	02:55:52	शुक्र 13/02/2033
शनि 04/10/2025	08:15:15	सिंह व	राहु व	कर्क	29:03:49	सूर्य 02/12/2033
बुध 11/08/2026	08:15:15	कुंभ व	केतु व	मक	29:03:49	चन्द्र 03/04/2035
केतु 16/12/2026	17:36:16	मक व	हर्ष	मक	17:05:56	मंगल 09/03/2036
शुक्र 17/12/2027	07:07:10	मक व	नेप	मक	07:12:22	राहु 03/08/2038
	11:42:06	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	15:15:43	

लग्न-चलित

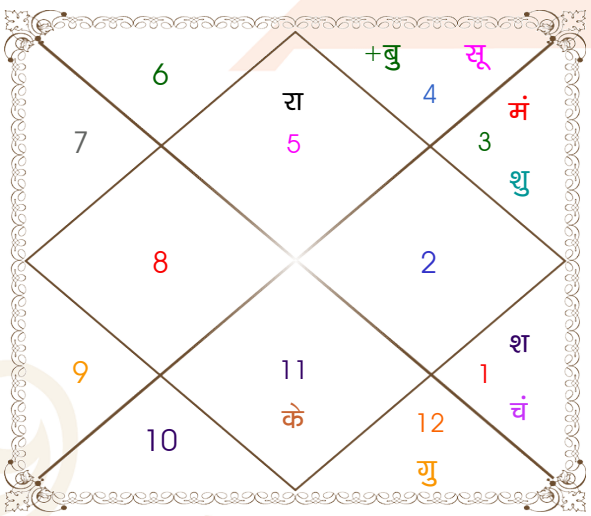

लग्न-चलित

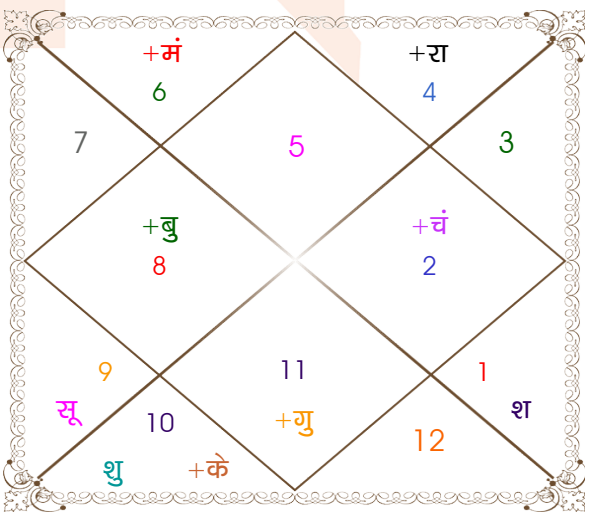

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

ँहंत का वर्ग सिंह है तथा ौतंकीं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ँहंत और ौतंकीं का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

ँहंत मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

ौतंकीं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

ँहंत तथा ौतंकीं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।